



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

तिमना, शनिवार, 31 जुलाई, 1982/9 भावण, 1904

हिमाचल प्रदेश सरकार

राजस्व विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 16 जून, 1982

संख्या 11-21/71-III-राजस्व.—यतः प्रारूपित हिमाचल प्रदेश किसान पास बुक नियम, हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम, 1953 की धारा 169 के अधीन यथा अपेक्षित हिमाचल प्रदेश राजपत्र (असाधारण) दिनांक 30 मार्च, 1982 में इनसे प्रभावित होने वाले सामान्य व्यक्तियों से इनके राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से 15 दिन की अवधि के भीतर आक्षेप एवं सुझाव आमंत्रित करने हेतु प्रकाशित किये गये थे।

और यतः उक्त अवधि के भीतर कोई आक्षेप एवं सुझाव प्राप्त नहीं हुआ है।

अतः अब विल्तायुक्त, हिमाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम, 1953 (1954 का अधिनियम संख्यांक 6) की धारा 168 की उपधारा (1) खण्ड (छ) के पाठ सहित खण्ड (घ) के अन्तर्गत प्रदत्त

शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार की पूर्ण अनुमति के साथ एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं:—

हिमाचल प्रदेश किसान पास बुक नियम, 1982

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ.—(1) यह नियम हिमाचल प्रदेश किसान पास बुक नियम, 1982 कहे जा सकते हैं ।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होंगे ।

2. परिभाषाएं.—इन नियमों में जब तक सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम, 1953 (1954 का अधिनियम संख्या 6) अभिप्रेत है;

(ख) “प्रपत्र” से इन नियमों के साथ संलग्न प्रपत्र अभिप्रेत है;

(ग) “किसान” से, वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो एक भू-खाते में भूस्वामी, मुजारा, बन्धकी या पट्टादार के रूप में हित रखता हो;

(घ) “किसान पास बुक”, “पास बुक” या “पुस्तिका” से वह पुस्तिका अभिप्रेत है जिसमें धारा 32 (2) (क) के अन्तर्गत रखे गये अधिकार अभिलेख से अधिप्रमाणित उद्धरण (जमाबन्दी) जिसमें पट्टार सर्कल स्थित किसान की भूमि में उसके हितों का विश्लेषण किया गया हो तथा इन नियमों में विहित अन्य तथ्य दिये गये हों;

(ङ) “धारा” से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है;

(च) अन्य सभी शब्दों का, जो इन नियमों में प्रयुक्त हुए हों परन्तु यह परिभाषित नहीं हुए हों, वही अर्थ होगा जो उन्हें अधिनियम में दिया गया हो ।

3. किसान पास बुक का जारी किया जाना.—इन नियमों के प्रवृत्त होने के यथा सम्भव तुरन्त पश्चात् पट्टवारी अपने पट्टवार सर्कल स्थित प्रत्येक किसान को सम्बद्ध तहसीलदार/नायब-तहसीलदार की उपस्थिति में किसान पास बुक जारी करेगा:

परन्तु उस पट्टवार सर्कल में जहां बन्दोबस्त या भू-एकत्रीकरण का काम चल रहा हो, पास बुक केवल उस मुहाल में ही जारी की जाएगी जहां ऐसा काम नहीं चल रहा हो, तथा जिन मुहालों में ऐसा काम चल रहा हो उनमें यह पुस्तिका बन्दोबस्त या भू-एकत्रीकरण की समाप्ति तथा नया अधिकार भू-अभिलेख बन जाने के पश्चात् यह पुस्तिका जारी की जाएगी ।

4. किसान पास बुक की अन्त वस्तु.—(1) किसान पास बुक में निम्नलिखित भाग होंगे और यह इन भागों से युक्त सिली हुई तथा जिल्द सहित संख्याबद्ध पुस्तिका के रूप में होगी, जिसमें:—

I. किसान का नाम व पता होगा ।

II. प्रपत्र “क” में भूस्वामी, मुजारा, बन्धकी अथवा पट्टादार के रूप में पट्टवार सर्कल में स्थित किसान की सारी भूमि अथवा भूमि में उसके हितों का व्योरा होगा ।

III. प्रपत्र “ख” में किसी दीवानी अदालत की डिग्री, राजस्व अधिकारी/कर्मचारी के आदेशों से या अन्यथा उक्त भूमि में किसान के हितों में हुए परिवर्तनों का व्योरा होगा ।

IV. प्रपत्र “ग” में उस मव लेन देन का विवरण, जिसका भाग-II में वर्णित भूमि पर प्रभाव पड़ता हो, होगा ।

V. प्रपत्र "घ" में किमान द्वारा किसी सरकारी अभिकरण, बैंक या अन्य संस्थान से लिए गये ऋणों का व्योरा तथा भाग-II में वर्णित भूमि पर उनके हितों पर उनका प्रभाव का व्योरा होगा।

(2) पास बुक को निम्नलिखित व्यक्ति अथवा अभिकरण नीचे दर्शाई गई प्रणाली में पूर्ण करेंगे :—

(क) भाग I एवं II सम्बद्ध पटवारी पास बुक जारी करते समय,

(ख) भाग-III राजस्व अधिकारी/कमचारी अभिलेख अथवा वार्षिक अभिलेख में तबदीली करते समय,

(ग) भाग IV रजिस्ट्रार अथवा यथा स्थिति, सब-रजिस्ट्रार भूमि के खाते पर प्रभाव डालने वाले दस्तावेज की रजिस्ट्री के समय,

(घ) भाग V ऋण देने वाले संस्थान/अभिकरण का कोई भी प्राधिकृत प्रतिनिधि, ऋण देते समय :

(3) भाग I एवं II को पूर्ण करने के पश्चात् पटवारी भाग II में की गई प्रविष्टियों के अन्त में तिथि युक्त अपने हस्ताक्षरों से निम्नलिखित प्रमाणित करेगा :—

“प्रमाणित किया जाता है कि इस भाग में दी गई प्रविष्टियां पटवार मर्कल में स्थित इस किसान की सारी भू-सम्पत्ति से सम्बद्ध मूल अधिकार अभिलेख के सही उद्धरण है।”

5. पास बुक का अद्यतन करना.—(1) किसान भाग II में वर्णित प्रविष्टियों को भाग III, IV एवं V में दर्ज की गई तबदीलियों में से जो लागू हों, उन्हें दर्ज करवा कर अपनी पास बुक को अद्यतन करवाने के लिये किसी भी समय पटवारी के पास ला सकेंगे और पटवारी इस प्रकार लाई गई पास बुक को पूर्ण करेगा।

(2) पटवारी, पुस्तिका को उप-नियम (1) के अन्तर्गत पूर्ण दरके तिथि युक्त अपने हस्ताक्षरों से प्रविष्टियों के अन्त में निम्नलिखित प्रमाणित करेगा :—

“प्रमाणित किया जाता है कि इस भाग में प्रविष्टियां मूल अभिलेख से मिलान करने के बाद अद्यतन की गई है।”

6. किसान पास बुक का मूल्य.—(1) किसान को पास बुक—

(क) पहली बार, या पुस्तिका के समाप्त होने पर यदि किसान यदि नई पास बुक मांगे तो निःशुल्क ;

(ख) यदि मूल पास बुक गुम हो गई हो, टूट-फूट कर भद्दी हो गई हो, या इस प्रकार फट गई हो कि उसमें दर्ज अन्तर्वस्तु अप्राप्य हो गई हो, तो पांच रुपये शुल्क पर जारी की जायेगी।

(2) उप-नियम (1) (ख) के अन्तर्गत पास बुक जारी किये जाने की स्थिति में पटवारी पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर लाल स्पाही से निम्न लिखित अपने तिथि युक्त हस्ताक्षर से प्रमाणित करेगा :—

“प्रमाणित किया जाता है कि यह पुस्तिका, जारी की गई मूल पुस्तिका, जो कि गुम/टूट फूट कर भद्दी/फट गई बताई जाती है, के बर्तन में पांच रुपये शुल्क लेकर जो कि रसीद संख्या—
दिनांक—द्वारा वसूल विना गया है जारी की गई है।”

7. किसान पास बुक की अवधि.—एक बार जारी की गई और समय समय पर अद्यतन की गई किसान पास बुक, अधिकार अभिलेख की दोहराई तक लागू रहेगी।

8. किसान पास बुक का लेखा.—पटवारी द्वारा किसान पास बुक का लेखा प्रपत्र ड में रखा जाएगा।

भाग II

प्रपत्र "क"

नियम 4(1) देखिये

गांव का नाम	जमाबन्दी का वर्ष	खाता संख्या	खतौनी संख्या	नाम मालिक/ बन्धकी आदि मय बन्दीयत, जो इद्रांज जमा-बन्दी में हो	नाम काश्तकार या काबिज	सिंचाई का साधन	खसरा संख्या	रकबा और किस्म जमीन
1	2	3	4	5	6	7	8	9

लगान
10माल व सवाई
11अभ्युक्तियां
12

भाग-III

प्रपत्र "ख"

नियम 4(1) देखिये

गांव का नाम	फसल जिसमें तबदीली अमल में लाई गई	खसरा नं० और रकबा	तबदीली का स्वरूप	तबदीली करने वाले का पद व हस्ताक्षर तिथि सहित
1	2	3	4	5

भाग-IV

प्रपत्र "ग"

देखिये नियम 4(1)

क्रम संख्या	गांव का नाम	खाता नं०	खतौनी नं०	लेन देन का स्वरूप तथा तिथि	अन्तर्ग्रस्त भूमि का रकबा तथा खसरा नं०	अभ्युक्तियां	रजिस्ट्रार/सब-रजिस्ट्रार के हस्ताक्षर
1	2	3	4	5	6	7	8

भाग-V

प्रपत्र "घ"

नियम (4)(1) देखिये

क्रम संख्या	ऋण दाता अभिकरण का नाम	ऋण राशि तथा ऋण देने की तिथि	किसान की भू-सम्पत्ति पर पड़ने वाले प्रभाव का स्वरूप	अन्तर्ग्रस्त रकबा तथा खाता/खतौनी/खसरा नं०	अभ्युक्तियां	ऋणदाता अभिकरण के प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर
1	2	3	4	5	6	7

प्रपत्र "ङ"

नियम 8 देखिये

क्रम सं०	गांव का नाम	किसान तथा उसके पिता का नाम	किसान पास बुक की क्रम संख्या	किसान पास बुक के बनने की तिथि	किसान पास बुक के वितरण की तिथि	पासबुक प्राप्तकर्ता किसान के हस्ताक्षर	अभ्युक्तियां
1	2	3	4	5	6	7	8

[English Translation of Himachal Pradesh Government Revenue Department Notification No. 11-21 71-III-Rajasya, dated the 16th June, 1982.]

REVENUE DEPARTMENT

NOTIFICATION

Simla-2, the 16th June, 1982

No. 11-21 71-III-Rev.—Whereas the draft Himachal Pradesh Kisan Pass Book Rules, 1982 were published as required under section 169 of the H.P. Land Revenue Act, 1953 in the Himachal Pradesh Rajpatra (Extra-ordinary) dated the 30th March, 1982 for inviting objections and suggestions from the persons likely to be affected thereby within a period of 15 days from the date of their publication.

And whereas, no objection or suggestion has been received within the above period.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) read with clause (g) of sub-section (1) of section 168 of the Himachal Pradesh Land Revenue Act, 1953 (6 of 1954), the Financial Commissioner, Himachal Pradesh with the previous sanction of the Government of Himachal Pradesh, hereby makes the following rules:—

THE HIMACHAL PRADESH KISAN PASS BOOK RULES, 1982

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Kisan Pass Book Rules, 1982.

(2) They shall come into force at once.

2. **Definitions.**—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) 'Act' means the Himachal Pradesh Land Revenue Act, 1953 (6 of 1954);

(b) 'form' means a form attached to these rules;

(c) 'Kisan' means a person having any interest in a holding whether as a landowner, tenant, mortgagee or a pattadar;

(d) 'Kisan Pass Book', 'Pass Book' or a 'book', means a book containing certified extracts from record of rights (Jamabandi), maintained under section 32(2)(a) of the Act showing the nature and extent of interest of a Kisan in his holding/holdings in a Patwar Circle and other particulars as prescribed in these rules;

(e) 'section' means a section of the Act;

(f) All other words used in these rules but not defined herein shall have the meaning respectively assigned to them in the Act.

3. **Issue of Kisan Pass Book.**—There shall be issued by a Patwari a Kisan Pass Book to every Kisan in his Patwar Circle in the presence of the Naib-Tehsildar/Tehsildar concerned as soon as may be after the commencement of these rules:

Provided that in a Patwar Circle where Settlement or Consolidation of Holdings Operations are being conducted, the pass book shall be issued only in respect of the estates where such operations are not being conducted and in respect of the estates where Settlement or Consolidation

of holdings operations are being conducted, it shall be issued as soon as such operations are concluded and record of rights is prepared.

4. **Contents of Kisan Pass Book.**—(1) The Kisan Pass Book shall contain the following parts in a composite book form duly stitched, bound and numbered:—

- I. Name and address of the Kisan;
- II. Details of land in the Patwar Circle showing the nature of interest of the Kisan as land-owner, tenant, mortgagee or pattadar in form 'A';
- III. Details of the changes occurring in the interest in the land holding, of the Kisan due to order of Revenue Officer/official, decree of a Civil Court or otherwise, if any, in form 'B';
- IV. Details of transactions affecting the land holding mentioned in part II, in form 'C';
- V. Details of loans, if any, taken by a Kisan from a Government Agency or from a Bank or any other Institution and their effect on the nature and extent of interest in the land mentioned in Part II, in form 'D';

(2) The pass book shall be completed by the persons or agencies in the manner indicated hereinafter:—

- (a) Parts I and II by the Patwari concerned at the time of issue of the pass book;
- (b) Part III by the Revenue Officer/official, at the time of making the change in the records of rights or annual record;
- (c) Part IV by the Registrar or the Sub-Registrar, as the case may be, at the time of registration of the document affecting the land-holdings;
- (d) Part V by an authorised representative of the agency/institution advancing the loan at the time of advancement of such loan.

(3) After completing parts I and II of the Book, the Patwari shall record the following certificate duly signed and dated by him at the end of the entries in part II:—

“Certified that the entries in this part are true extracts from the original records of right covering the total holding of the Kisan in Patwar Circle.....”.

5. **To make the pass book up-to-date.**—(1) A Kisan may present his pass book at any time to the Patwari for making the entries up-to-date in Part-II by effecting the operative changes therein that may have been recorded in Parts III, IV and V of the pass book or any other changes in the records, and the Patwari shall complete the book on such presentation.

(2) After making the book up-to-date under sub-rule (1), the Patwari shall record the following certificate with dated signature at the end of the entries so completed:—

“Certified that the entries in this part have been made up-to-date after comparison with the original record”.

6. **Cost of Kisan Pass Book.**—(1) The Pass Book shall be issued to a Kisan:—

- (a) free of cost, for the first time or if it is exhausted and a Kisan demands a new book;
- (b) against a fee of rupees five, if the original is misplaced, lost, defaced or torn in such a way as to make the contents in it illegible.

(2) where a fresh pass book is issued under sub-rule (1)(b) the Patwari shall record the following certificate in red ink with dated signature on the title page of the book:—

"Certified that this book has been issued in lieu of the original book issued on..... which is reported to have been lost/defaced/torn, against payment of a fee of Rs. 5/- received *vide* receipt No....., dated....."

7. **Periodicity of Kisan Pass Book.**—A book once issued and made up-to-date from time to time, shall remain in force until revision of record of rights.

8. **Account of Pass Books.**—An account of pass books shall be maintained by the Patwari in form 'E'.

PART II

FORM 'A'

See Rule 4 (I)

Name of village	Year of Jamabandi	Khata No.	Khatauni No.	Name of owner/ mortgagee with parentage etc. according to Jamabandi	Name of cultivator or person in possession	Means of irrigation
1	2	3	4	5	6	7

Khasra No.	Area with classification	Rent	Demand, with land revenue	details of and cesses	Remarks
8	9	10	11	11	12

PART III

FORM 'B'

See Rule 4(1)

Name of village	Harvest in which a change has been effected	Khasra number with area	Nature of change	Signature with designation of the officer/official effecting the change with date of change
1	2	3	4	5

PART IV
FORM 'C'
See Rule 4(1)

Sr. No.	Name of village	Khata No.	Khatauni No.	Nature and date of transaction	Khasra No. with area involved	Remarks	Signature of Registrar/ Sub-Registrar
1	2	3	4	5	6	7	8

PART V
FORM 'D'
See Rule 4(1)

Sl. No.	Name of the agency granting loan	Amount of loan granted with date	Nature of effect on the holding of the Kisan	Area involved with Khata/ Khatauni/ Khasra No.	Remarks	Signature of the authorised authority of the agency granting loan
1	2	3	4	5	6	7

FORM "E"
See Rule 8

Sl. No.	Name of village	Name and parentage of the Kisan	Sl. No. of Kisan Pass Book	Date of preparation of the book	Date of delivery of the book	Signature of Kisan receiving the Pass Book	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8

Sd/-
Secretary.

